Hindi Murli Quiz 25-10-2015

.

Q.1) **Q. आज वतन में बापदादा हरेक बच्चे की विशेषताओं के आधार पर नम्बर बना रहे थे तो बापदादा ने बच्चों में जो देखा उसको केवल सही वाक्य चयन / टिक करके स्पष्ट करें ----**

A. .कई बच्चों में विशेषतायें इतनी ज्यादा देखी जो बिल्कुल बाप-समान समीप रत्न देखे।
B. कई बच्चे विशेषताओं को धारण करने में मेहनत करने वाले भी देखे ।
C. बच्चों में सबसे ज्यादा मेहनत अशरीरी बनने में देखी।
D. स्वर्ग में जाने के लिए सब बच्चों को एवररेडी देखा ।

Q.2) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	अशरीरी आत्मा को अशरीरी बनने में मेहनत क्यों?	1	इसलिए पार्ट की ड्रेस तो छोड़नी पड़ेगी ना ।
B	अब पार्ट समाप्त कर घर जाना है।	2	तो बन्धनमुक्त हो गये ना !
C	अपने को देखो कि शरीर का बन्धन तो नहीं है ।	3	अथवा यह पुराना चोला टाइट तो नहीं है ।
D	ड्रेस टाइट होगी तो एवररेडी नहीं होंगे। बन्धन मुक्त अर्थात् लूज ड्रेस।	4	84 जन्म चोला धारण कर पार्ट बजाने के कारण ।
E	जब वायदा ही है `एक बाप दूसरा न कोई,	5	आर्डर मिला और सेकेण्ड में गया।

Q.3) **Q.देहभान को भूलने अर्थात अशरीरी बनने के लिए बापदादा ने विशेष 4 बातों की ओर हमारा अटेन्शन खिचवाया है, उनका सही-सही चयन करें--**

A. सच्ची प्रीत- सच्ची प्रीत ही देह और दुनिया को भुलाने का साधन है अर्थात बाप और आप तीसरा न कोई।
B. सच्चा मीत -अगर दो मीत आपस में मिल जाएं तो उन्हें न स्वयं की, न समय की स्मृति रहती है।
C. दिल के गीत - अगर दिल से कोई गीत गाते हैं तो उस समय के लिए वह स्वयं और समय को भूला हुआ होता है।
D. .यथार्थ रीत- अगर यथार्थ रीत है तो अशरीरी बनना बहुत सहज है। रीत नहीं आती तब मुश्किल होता है।

Q.4) **Q.वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें -----**

	Choice		Match
A	आज भी भक्त लोग सिर्फ प्रभु प्रीत के गीत में ही खो जाते हैं,	1	बाबा बोला और शरीर भूला।
B	जहाँ प्रभु प्रीत है वहाँ अशरीरी बनना बहुत सहज है।	2	देह और देह की दुनिया की स्मृति का स्विच ऑफ।
C	बाप की स्मृति का स्विच ऑन अर्थात	3	तो सोचो प्रीत निभाने वाले कितने खोये हुए होंगे!
D	सदा सच्चा और अविनाशी मीत के साथ रहो,	4	तो वे दुख-हर्ता. सुखकर्ता नही बन सकेंगे ।
E	शरीरधारी मीत तो शमशान तक ही जायेंगे,	5	तो मोहब्बत में मेहनत खत्म हो जायेगी।

Q.5) **Q.सभी सही वाक्यों का ही चयन करें --**

A. बाप-दादा द्वारा प्राप्त हुई सर्व प्राप्तियों के गुणों के सदा गीत गाते रहो, तो सहज ही अशरीरी बन जायेंगे ।
B. गीतों के साथ-साथ स्वत बजने वाले यह खुशी के साज कभी खराब नहीं होते जो रिपेयर करना पड़े।
C. मैं अशरीरी आत्मा हूँ यह सबसे सहज यथार्थ रीत है।
D. संगमयुगी ब्राह्मणों के मुख से मेहनत है व `मुश्किल है' - यह शब्द संकल्प में भी नहीं आ सकता।
E. स्वयं पर भी रहम करो और सर्व प्रति भी रहमदिल बनो। टाइटल रहमदिल का तो आप सबका भी है ।

Q.6) **Q. " रहमदिल बनने के बदले एक छोटी-सी गलती करते हो। रहम भाव के बजाए अहम् भाव में आ जाते हो। तो रहम भूल जाते हो। कोई अहम् भाव में आ जाते हैं। कोई वहम भाव में आ जाते हैं। पता नहीं, पहुँच सकेंगे कि नहीं पहुँच सकेंगे। यथार्थ मार्ग है या नहीं है - ऐसे अनेक प्रकार के स्वयं के प्रति वहम भाव और कभी-कभी नॉलेज के प्रति वहम भाव इसलिए रहम का भाव बदल जाता है।"**

A. सही
B. गलत

Q.7) **Q. वाक्यों / शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	दिलशिकस्त नहीं बनो,	1	तब भक्त लोग आप साक्षात्कार मूर्तियों का साक्षात्कार करेंगे।
B	इस वर्ष का होमवर्क है -	2	सहजयोगी बनो, रहमदिल बनो और दिल-तख्तनशीन बनो।
C	दीपावली में वह लक्ष्मी का आह्वान करते, यहाँ लक्ष्मी के रचयिता का आह्वान है।	3	तो ज्योति जगाकर बैठो तब तो बाप आयेंगे।
D	सतयुग में सोना ही सोना है- डबल सोना,	4	सदा दिलतख्तनशीन बनो।
E	इस वर्ष अलबेलेपन की नींद को तलाक देना,	5	जो जागेगा वह सोना पायेगा।

Q.8) **Q. "त्याग वालों को भाग्य नैचुरल खुशी के रूप में और हल्केपन की अनुभूति के रूप में उसी समय ही प्राप्त होता रहता है। इस निशानी से हरेक अपने रिजल्ट को चेक कर सकते हैं कि कितना समय त्याग और निष्काम भाव रहा, निमित्तपन का भाव रहा या बीच-बीच में और भी कोई भाव मिक्स हुआ। चेक कर आगे के लिए चेन्ज कर देना, यह है चढ़ती कला का विशेष पुरूषार्थ।"**

A. सही

B. गलत

Q.9) **Q. बापदादा की बहुमूल्य शिक्षाओं के आधार पर इस मैचिंग एक्सरसाइज को पूरी करें ---**

	Choice		Match
A	एक दूसरे की कमजोरी न धारण करो न वर्णन करो।	1	तो स्वत: दुआयें प्राप्त होंगी।
B	अगर कोई दूसरे की कमजोरी सुनाये,	2	वर्णन होने से कमजोरी का वातावरण फैलता है।
C	बीती हुई बात को रहमदिल बन समा दो।	3	तो दूसरा शुभ भावना से उससे किनारा कर ले।
D	भले संस्कार के वश कोई उल्टा भी कहता, करता या सुनता है,	4	लेकिन आप उस एक को परिवर्तन करो।
E	हर आत्मा के प्रति सदा उपकार अर्थात् शुभ कामना रखो,	5	समाकर शुभ भावना से उस आत्मा के प्रति मनसा सेवा करते रहो।

Q.10) **Q. वरदान पर आधारित यह वाक्य सही हैं अथवा गलत हैं ?**
"जो बच्चे बहुतकाल से निर्विघ्न स्थिति के अनुभवी हैं उनका फाउन्डेशन पक्का होने के कारण स्वयं भी शक्तिशाली रहते हैं और दूसरों को भी शक्तिशाली बनाते हैं। बहुतकाल की शक्तिशाली, निर्विघ्न आत्मा अन्त में भी निर्विघ्न बन पास विद आनर बन जाती है या फर्स्ट डिवीजन में आ जाती है। तो सदा यही लक्ष्य रहे कि बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है।"

A. सही

B. गलत